MVS FOUNDATION

FREE NOTES

TOURISM (337)

CHAPTERWISE NOTES

TOURISM

Sl. No.	Module	Chapters (Public Examination)	Marks
1	**Module 1 : Basics of Tourism**	**L-3:** Impact of Tourism **L-4:** Fundamentals of Travel and Tourism Geography **L-5:** Transport for Tourism	20
2	**Module 3 : Natural Diversity as Tourist Attraction**	**L-13:** Growth and Patterns of Tourism in India **L-14:** Growth and Patterns of Tourism in World	18

Component	Details	Marks
Public Exam (Selected Modules 1,3)	Total Chapters : **5**	38
Practical Exam	NA	00
TMA	Tutor Marked Assignment	20
Final Possible Marks		**58 Marks**

विषय- सूची

1	पर्यटन का प्रभाव
2	यात्रा और पर्यटन : भूगोल के मौलिक तत्व
3	पर्यटन के लिए परिवहन
4	भारत में पर्यटन की प्रगति और प्रतिरूप
5	विश्व में पर्यटन का विकास और स्वरूप

1

पर्यटन का प्रभाव

परिचय

पर्यटन एक उद्योग है जिसमें लोग एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करते हैं। इसके लिए परिवहन, आवास और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता होती है। यह रोज़गार और आर्थिक गतिविधियाँ उत्पन्न करता है तथा इसके आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय प्रभाव भी देखने को मिलते हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कारक

भारत में पर्यटन का विकास **भौगोलिक विविधता** के कारण हुआ है। देश में **उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम** में अनेक पर्यटन स्थल हैं, प्रमुख पर्यटन स्थल :

- **ताजमहल**
- **समुद्र तट**
- **रेगिस्तान**
- **पर्वतीय क्षेत्र**
- **ऐतिहासिक स्मारक**
- **धार्मिक स्थल**

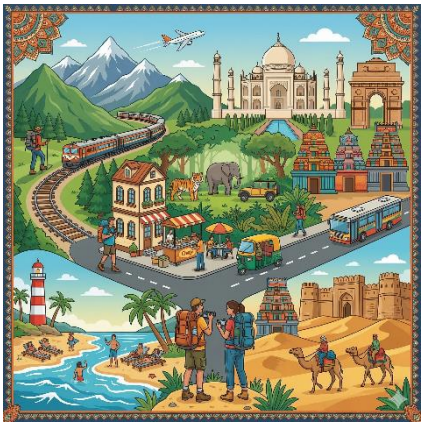

➢ **पर्यटन को बढ़ावा देने वाले मुख्य कारण** :

- **प्राकृतिक आकर्षण**
- **ऐतिहासिक स्थल**
- **धार्मिक स्थल**
- **संस्कृति और परंपराएँ**
- **वन्य जीवन और राष्ट्रीय उद्यान**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

आर्थिक प्रभाव

आर्थिक प्रभाव का अर्थ पर्यटन से **रोजगार, आय और आर्थिक विकास** पर पड़ने वाला प्रभाव है।

पर्यटन कई क्षेत्रों में रोजगार देता है :

- **परिवहन**
- **होटल**
- **रेस्टोरेंट**
- **मनोरंजन**
- **मार्गदर्शक (गाइड)**

पर्यटन के सकारात्मक आर्थिक प्रभाव

- पर्यटन से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।
- स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होती है।
- विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है।
- होटल, परिवहन और अन्य सेवाओं का विकास होता है।
- निवेश के अवसर बढ़ते हैं।
- स्थानीय उद्योगों और हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलता है।

पर्यटन के नकारात्मक आर्थिक प्रभाव

- पर्यटन से कीमतों में वृद्धि हो सकती है।
- स्थानीय लोगों के लिए जीवनयापन महँगा हो जाता है।
- कभी-कभी विदेशी कंपनियाँ अधिक लाभ ले जाती हैं।
- पर्यटन से कुछ क्षेत्रों में आर्थिक असमानता बढ़ सकती है।

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव से तात्पर्य पर्यटन के कारण समाज की संस्कृति, परंपराएँ, जीवन शैली और व्यवहार में आने वाले परिवर्तन से है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

नकारात्मक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव

- पारंपरिक संस्कृति और मूल्यों में बदलाव।
- स्थानीय जीवन शैली पर प्रभाव।
- अपराध और अनैतिक गतिविधियों में वृद्धि।
- संस्कृति का व्यावसायीकरण।
- स्थानीय समाज में संस्कृति का क्षरण।

सकारात्मक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव

- विभिन्न संस्कृतियों के बीच आपसी समझ बढ़ती है।
- संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण होता है।
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ता है।
- स्थानीय कला और हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलता है।

राजनीतिक प्रभाव

राजनीतिक प्रभाव का अर्थ पर्यटन के कारण सरकारी नीतियों, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और प्रशासन पर पड़ने वाला प्रभाव है।

सकारात्मक राजनीतिक प्रभाव

- देशों के बीच मित्रता और सहयोग बढ़ता है।
- पर्यटन के विकास के लिए सरकार नई नीतियाँ बनाती है।
- सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का विकास होता है।
- अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत होते हैं।

नकारात्मक राजनीतिक प्रभाव

- राजनीतिक अस्थिरता से पर्यटन प्रभावित होता है।
- सुरक्षा समस्याओं के कारण पर्यटक आने से बचते हैं।
- आतंकवाद और संघर्ष से पर्यटन उद्योग को नुकसान होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

पर्यावरणीय प्रभाव

पर्यटन का पर्यावरण पर भी प्रभाव पड़ता है। पर्यटन से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग बढ़ता है और पर्यावरण पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ सकते हैं।

नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव

- प्रदूषण (वायु, जल, ध्वनि) बढ़ सकता है।
- प्राकृतिक संसाधनों का अधिक उपयोग होता है।
- वन्य जीवन और प्राकृतिक आवास प्रभावित होते हैं।
- कचरा और भीड़ से पर्यावरण को नुकसान होता है।

सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव

- पर्यटन से पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता बढ़ती है।
- राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य संरक्षित किए जाते हैं।
- सरकार और समाज पर्यावरण संरक्षण के प्रयास करते हैं।
- प्राकृतिक स्थलों का संरक्षण और विकास किया जाता है।

नकारात्मक प्रभावों से निपटना

- पर्यटन विकास में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।
- सरकार को सतत पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए।
- स्थानीय समुदायों की भागीदारी जरूरी है।
- पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. पर्यटन के प्रभाव कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर- पर्यटन के चार प्रमुख आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय प्रभाव होते हैं। ये प्रभाव किसी देश या क्षेत्र के विकास, संस्कृति, समाज और पर्यावरण पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार से असर डालते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न-2. पर्यटन के सकारात्मक आर्थिक प्रभाव लिखिए।

उत्तर- पर्यटन से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, स्थानीय उद्योगों का विकास होता है, विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है और होटल, परिवहन तथा अन्य सेवाओं का विस्तार होता है। इससे क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है।

प्रश्न-3. पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव क्या हैं?

उत्तर- पर्यटन से विभिन्न संस्कृतियों के बीच संपर्क बढ़ता है, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ बढ़ती है। साथ ही स्थानीय कला, परंपराओं और हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलता है, लेकिन कभी-कभी पारंपरिक जीवन शैली पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है।

प्रश्न-4. पर्यटन के नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव क्या हैं?

उत्तर- पर्यटन के कारण प्रदूषण बढ़ सकता है, प्राकृतिक संसाधनों का अधिक उपयोग होता है और वन्य जीवन प्रभावित हो सकता है। कचरा, भीड़ और अव्यवस्थित विकास से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है।

प्रश्न-5. नकारात्मक पर्यटन प्रभावों से कैसे निपटा जा सकता है?

उत्तर- नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए सतत पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए, पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए, स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए और पर्यटन विकास को संतुलित तरीके से नियंत्रित करना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2

यात्रा और पर्यटन : भूगोल के मौलिक तत्व

परिचय

पर्यटन और यात्रा का भूगोल से गहरा संबंध होता है। किसी स्थान तक पहुँचने, समय की गणना करने, दूरी समझने और मार्ग जानने के लिए भूगोल के तत्वों की जानकारी आवश्यक होती है। अक्षांश, देशांतर, समय क्षेत्र और मानचित्र पर्यटन की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यात्रा और पर्यटन की दृष्टि से भूगोल का महत्व

भूगोल पृथ्वी और उसके विभिन्न स्थानों का अध्ययन है। पर्यटन के लिए किसी स्थान की **स्थिति, दूरी और दिशा** जानना आवश्यक होता है।

भूगोल से पर्यटक को निम्न जानकारी मिलती है :

- किसी स्थान का स्थान और दूरी।
- विभिन्न स्थानों के बीच भौगोलिक संबंध।
- समय का अंतर और यात्रा की योजना।
- मानचित्र और चार्ट पढ़ने की क्षमता।
- विभिन्न पर्यटन स्थलों की पहचान।

विश्व/ग्लोब पर स्थान

- पृथ्वी को ग्लोब के रूप में दर्शाया जाता है।
- ग्लोब पर किसी स्थान की स्थिति अक्षांश और देशांतर से निर्धारित की जाती है।
- ये रेखाएँ पृथ्वी पर कल्पित रेखाएँ होती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अक्षांश

अक्षांश वे काल्पनिक रेखाएँ हैं जो पृथ्वी पर पूर्व-पश्चिम दिशा में खींची जाती हैं और किसी स्थान की उत्तर या दक्षिण स्थिति बताती हैं।

- अक्षांश रेखाएँ भूमध्य रेखा के समानांतर होती हैं।
- भूमध्य रेखा का मान 0° होता है।
- अक्षांश 0° से 90° उत्तर और दक्षिण तक होते हैं।
- सभी अक्षांश रेखाएँ समांतर होती हैं।

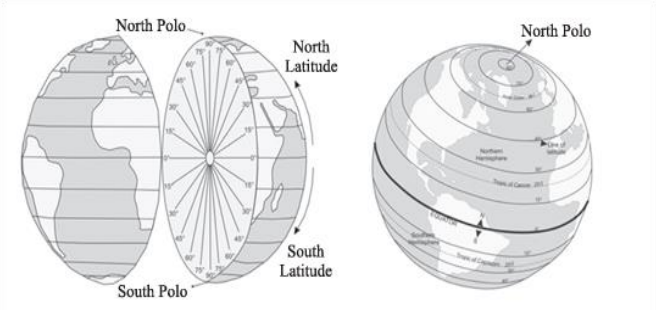

देशांतर

देशांतर वे काल्पनिक रेखाएँ हैं जो पृथ्वी पर उत्तर-दक्षिण दिशा में खींची जाती हैं और किसी स्थान की पूर्व या पश्चिम स्थिति बताती हैं।

- मुख्य देशांतर रेखा ग्रीनविच मेरिडियन है।
- इसका मान 0° है।
- देशांतर 0° से 180° पूर्व और पश्चिम तक होते हैं।

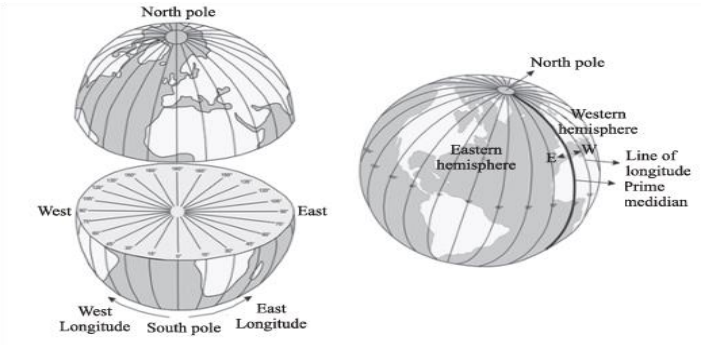

पृथ्वी का घूर्णन

- पृथ्वी 24 घंटे में एक बार अपने अक्ष पर घूमती है।
- पृथ्वी 360° घूमती है।
- इसलिए हर 15° देशांतर = 1 घंटा समय अंतर।
- पृथ्वी के घूर्णन के कारण दिन और रात होते हैं।

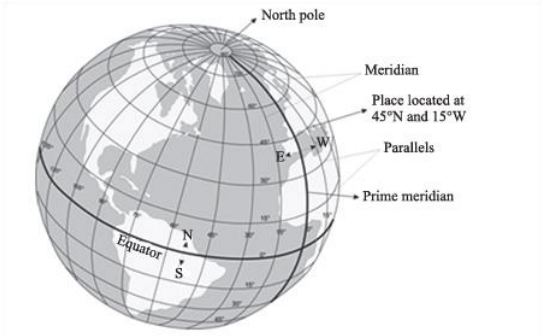

अंतरराष्ट्रीय समय रेखा

अंतरराष्ट्रीय समय रेखा वह काल्पनिक रेखा है जहाँ तारीख बदलती है।

- यह रेखा लगभग 180° देशांतर पर स्थित है।
- इसे पार करने पर एक दिन आगे या पीछे हो जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- इसका उपयोग विश्व में तारीख और समय निर्धारण के लिए किया जाता है।

ग्लोब पर समय निर्धारण

- पृथ्वी के अलग-अलग स्थानों पर समय अलग-अलग होता है।
- समय निर्धारण के लिए देश मानक समय अपनाते हैं।
- भारत का मानक समय 82°30′ पूर्व देशांतर से निर्धारित होता है।
- इसे भारतीय मानक समय (IST) कहा जाता है।

समय की गणना का तरीका

- हर 1° देशांतर = 4 मिनट समय अंतर।
- हर 15° देशांतर = 1 घंटा।
- यदि कोई स्थान पूर्व में है तो समय बढ़ता है।
- यदि पश्चिम में है तो समय घटता है।

मानचित्र और चार्ट द्वारा संप्रेषण

- मानचित्र पृथ्वी या उसके किसी भाग का चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण है।
- मानचित्रों से किसी स्थान की स्थिति, दूरी और दिशा की जानकारी मिलती है।
- पर्यटन योजना बनाने में मानचित्र बहुत उपयोगी होते हैं।

मानचित्रों के प्रकार

- **सामान्य संदर्भ मानचित्र**
- **विशिष्ट विषय आधारित मानचित्र**

सामान्य संदर्भ मानचित्र

ये मानचित्र देश, राज्य, शहर और नदियों जैसी सामान्य जानकारी दिखाते हैं। इनका उपयोग स्थान की सामान्य स्थिति समझने के लिए किया जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशिष्ट विषयक मानचित्र

ये मानचित्र किसी विशेष विषय की जानकारी देते हैं।

जैसे:

- **जलवायु**
- **उद्योग**
- **कृषि**
- **जनसंख्या**

मानचित्रों का उपयोग

- मानचित्र से दूरी और दिशा का पता चलता है।
- यह यात्रा मार्ग और स्थानों की स्थिति समझने में मदद करता है।
- पर्यटक मानचित्र से पर्यटन स्थलों की जानकारी प्राप्त करते हैं।

चार्ट के प्रकार

- **दंडारेख चार्ट**
- **लाइन चार्ट**
- **पाई चार्ट**

चार्ट का उपयोग:

- आँकड़ों को सरल और स्पष्ट तरीके से प्रस्तुत करने के लिए।
- पर्यटन से संबंधित सांख्यिकीय जानकारी समझने के लिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. अक्षांश क्या है?

उत्तर- अक्षांश वे काल्पनिक रेखाएँ हैं जो पृथ्वी पर पूर्व-पश्चिम दिशा में खींची जाती हैं और किसी स्थान की उत्तर या दक्षिण स्थिति बताती हैं, भूमध्य रेखा 0° अक्षांश होती है।

प्रश्न-2. देशांतर क्या है?

उत्तर- देशांतर वे काल्पनिक रेखाएँ हैं जो उत्तर-दक्षिण दिशा में खींची जाती हैं। ये किसी स्थान की पूर्व या पश्चिम स्थिति बताती हैं, ग्रीनविच मेरिडियन 0° देशांतर है।

प्रश्न-3. अंतरराष्ट्रीय समय रेखा क्या है?

उत्तर- अंतरराष्ट्रीय समय रेखा लगभग 180° देशांतर पर स्थित काल्पनिक रेखा है। इसे पार करने पर एक दिन आगे या पीछे हो जाता है। इसका उपयोग विश्व में तारीख निर्धारण के लिए किया जाता है।

प्रश्न-4. भारतीय मानक समय क्या है?

उत्तर- भारतीय मानक समय (IST) 82°30′ पूर्व देशांतर के आधार पर निर्धारित किया गया है। यह पूरे भारत में समय की समानता बनाए रखने के लिए अपनाया गया मानक समय है।

प्रश्न-5. मानचित्र का क्या महत्व है?

उत्तर- मानचित्र पृथ्वी या उसके किसी भाग का चित्रात्मक प्रदर्शन है। इससे स्थानों की स्थिति, दूरी और दिशा की जानकारी मिलती है और यात्रा तथा पर्यटन की योजना बनाने में सहायता मिलती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3

पर्यटन के लिए परिवहन

परिचय

परिवहन पर्यटन उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पर्यटन के विकास के लिए यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के साधनों की आवश्यकता होती है। सड़क, रेल, वायु और जल परिवहन पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परिवहन और पर्यटन के बीच संबंध

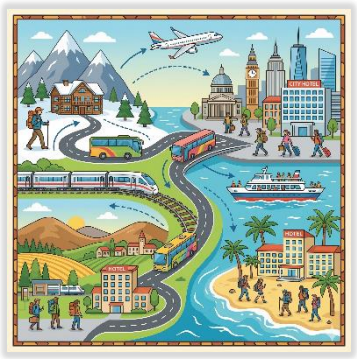

- पर्यटन और परिवहन का घनिष्ठ संबंध है।
- परिवहन के बिना पर्यटन का विकास संभव नहीं है।
- पर्यटन के लिए आवश्यक है कि पर्यटक आसानी से गंतव्य तक पहुँच सकें।
- अच्छे परिवहन से पर्यटन स्थलों की पहुँच बढ़ती है।
- परिवहन से आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा मिलता है।

पर्यटन परिवहन की विशेषताएं

पर्यटन परिवहन पर्यटकों को गंतव्य तक पहुँचाने का साधन है। यह **समय और दूरी को** कम करता है तथा परिवहन से पर्यटन गतिविधियाँ बढ़ती हैं। पर्यटन विकास के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन आवश्यक है।

सड़क परिवहन की विशेषताएँ

1. सड़क परिवहन विभिन्न स्थानों और लोगों को आपस में जोड़ने का कार्य करता है।
2. इसके प्रमुख लाभ **लचीलापन**, **विश्वसनीयता**, **रफ्तार**, **अल्पमूल्य** हैं।
3. यह पर्यटकों को अंतिम गंतव्य स्थान तक पहुँचाने में सक्षम है।
4. अच्छे सड़क मार्गों के विकास में राष्ट्रीय और राज्य मार्गों का महत्वपूर्ण स्थान है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

5. सड़कों की बेहतर स्थिति से यात्रा और पर्यटन में वृद्धि होती है।
6. सड़क परिवहन में कार, टैक्सी, कोच, बस और जीप जैसे वाहन प्रयोग किए जाते हैं।
7. यह रेल, हवाई और जल परिवहन को भी एक-दूसरे से जोड़ता है।

रेल परिवहन की विशेषताएँ

1. लंबी दूरी की यात्रा के लिए रेल परिवहन सबसे उपयुक्त और सस्ता साधन है।
2. यह व्यापार, शिक्षा, पर्यटन और तीर्थयात्रा के लिए महत्वपूर्ण है।
3. रेल मार्ग देश के लगभग सभी भागों को जोड़ते हैं।
4. रेलों में कई सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं जैसे: **स्लीपर**, **वातानुकूलित कोच**, **खानपान सुविधाएँ**
5. आधुनिक रेल सेवाओं में इंटरनेट और अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।
6. इससे यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में वृद्धि हुई है।

जल परिवहन की विशेषताएँ

1. पहले समय में यात्रा का मुख्य साधन **जल परिवहन** था।
2. नाव और जहाजों की गुणवत्ता में लगातार सुधार हुआ है।
3. जल परिवहन के प्रमुख साधन **झील**, **नदियाँ**, **नहरें**, **बाँध**, **समुद्र** है।
4. जल परिवहन से **पर्यटन और व्यापार दोनों को लाभ** मिलता है।

हवाई परिवहन की विशेषताएँ

1. सड़क के बाद हवाई यात्रा सबसे लोकप्रिय परिवहन साधन है।
2. यह सबसे तेज परिवहन साधन है।
3. कुछ ही घंटों में हजारों किलोमीटर की दूरी तय की जा सकती है।
4. हवाई परिवहन ने पूरी दुनिया को आपस में जोड़ दिया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

5. यह पहाड़, जंगल, रेगिस्तान और दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचने में मदद करता है।

6. इसकी प्रमुख विशेषताएँ **तेज गति, समय की बचत, आरामदायक यात्रा** है।

पर्यटन में परिवहन के साधन

पर्यटन में मुख्य परिवहन साधन **सड़क परिवहन**, **रेल परिवहन**, **वायु परिवहन**, **जल परिवहन** है।

(i) सड़क परिवहन

- सड़क परिवहन सबसे सामान्य परिवहन साधन है।
- यह शहरों, गाँवों और पर्यटन स्थलों को जोड़ता है।
- सड़क मार्ग से पर्यटक लचीले और सुविधाजनक तरीके से यात्रा कर सकते हैं।

(अ) राजमार्ग

- **राजमार्ग** प्रमुख सड़क मार्ग होते हैं।
- ये **मुख्य शहरों और राज्यों** को जोड़ते हैं।
- भारत में **राष्ट्रीय राजमार्ग** महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ब) प्रमुख राजमार्ग

- भारत में कई **महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग** हैं।
- ये देश के प्रमुख शहरों को **परस्पर जोड़ते हैं**।
- इनसे **पर्यटन और व्यापार** को बढ़ावा मिलता है।

(स) सड़क

- सड़कें स्थानीय परिवहन का **मुख्य साधन** हैं।
- ये **गाँवों और शहरों को जोड़ती हैं**।
- पर्यटन स्थलों तक पहुँचने के लिए सड़कें **अत्यंत महत्वपूर्ण** हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) रेल परिवहन

- रेल परिवहन लंबी दूरी की यात्रा के लिए महत्वपूर्ण है।
- यह सस्ता और सुविधाजनक परिवहन साधन है।
- भारत में रेल नेटवर्क बहुत विस्तृत है।
- कई पर्यटक स्थलों तक रेल द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है।

(अ) लक्जरी ट्रेनें

- कुछ विशेष ट्रेनें **पर्यटकों के लिए संचालित** की जाती हैं।
- इन ट्रेनों में **उच्च स्तरीय सुविधाएँ** उपलब्ध होती हैं।
- ये पर्यटकों को **विशेष पर्यटन अनुभव** प्रदान करती हैं।

(iii) वायु परिवहन

- वायु परिवहन सबसे तेज परिवहन साधन है।
- इसका उपयोग लंबी दूरी की यात्रा के लिए किया जाता है।
- अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में वायु परिवहन का महत्व अधिक है।
- यह पर्यटकों को कम समय में गंतव्य तक पहुँचाता है।

(iv) जल परिवहन

- जल परिवहन का उपयोग समुद्र और नदियों के माध्यम से यात्रा के लिए किया जाता है।
- इसके मुख्य प्रकार तटीय **जल यात्रा, अंतर्देशीय जल मार्ग, समुद्री परिवहन** है।
- जल परिवहन से व्यापार और पर्यटन दोनों को लाभ मिलता है।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए परिवहन

पर्यटन को बढ़ाने के लिए परिवहन व्यवस्था में सुधार आवश्यक है :

- पर्यटकों को स्पष्ट और सही जानकारी मिलनी चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- टिकट बुकिंग और आरक्षण की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए।
- परिवहन सेवाएँ सुरक्षित और विश्वसनीय होनी चाहिए।
- पर्यटकों के लिए आरामदायक यात्रा सुविधाएँ उपलब्ध होनी चाहिए।
- परिवहन प्रणाली में सुविधा और गुणवत्ता होनी चाहिए।

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. परिवहन क्या है?

उत्तर- परिवहन वह व्यवस्था है जिसके माध्यम से लोगों और वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाया जाता है। यह व्यापार, संपर्क और पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रश्न-2. पर्यटन और परिवहन के बीच क्या संबंध है?

उत्तर- पर्यटन और परिवहन का घनिष्ठ संबंध है। परिवहन के बिना पर्यटक किसी स्थान तक नहीं पहुँच सकते। अच्छी परिवहन व्यवस्था से पर्यटन स्थलों की पहुँच बढ़ती है और पर्यटन उद्योग का विकास होता है।

प्रश्न-3. पर्यटन में मुख्य परिवहन साधन कौन-कौन से हैं?

उत्तर- पर्यटन में मुख्य परिवहन साधन चार सड़क परिवहन, रेल परिवहन, वायु परिवहन और जल परिवहन हैं। ये सभी पर्यटकों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रश्न-4. वायु परिवहन का महत्व क्या है?

उत्तर- वायु परिवहन सबसे तेज परिवहन साधन है। यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयोगी है और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इससे कम समय में गंतव्य तक पहुँचा जा सकता है।

प्रश्न-5. पर्यटन विकास के लिए परिवहन क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर- परिवहन पर्यटकों को पर्यटन स्थलों तक पहुँचाने में सहायता करता है। अच्छी परिवहन व्यवस्था से यात्रा आसान और तेज होती है, जिससे पर्यटन गतिविधियाँ बढ़ती हैं और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4

भारत में पर्यटन की प्रगति और प्रतिरूप

परिचय

भारत में यात्रा और पर्यटन का इतिहास बहुत पुराना है। पर्यटन उद्योग देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और विविध पर्यटन स्थल देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पर्यटक

पर्यटक वह व्यक्ति है जो अपने निवास स्थान से बाहर किसी स्थान पर **कम से कम 24 घंटे** के लिए यात्रा करता है और वहाँ अस्थायी रूप से ठहरता है।

पर्यटकों के प्रकार

1. घरेलू पर्यटक

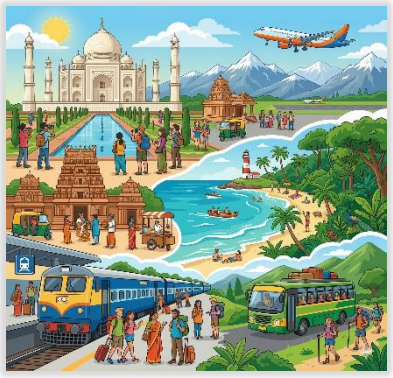

- अपने ही देश के भीतर यात्रा करता है।
- कम से कम 24 घंटे किसी स्थान पर रुकता है।

2. अंतरराष्ट्रीय पर्यटक

- अपने देश से बाहर दूसरे देश में यात्रा करता है।
- पर्यटन, व्यवसाय, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि उद्देश्यों से यात्रा करता है।

पर्यटकों के लिए आकर्षण

भारत में पर्यटन के मुख्य आकर्षण:

- प्राकृतिक आकर्षण
- सांस्कृतिक विरासत
- ऐतिहासिक स्मारक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- वन्यजीव और राष्ट्रीय उद्यान
- पर्वत, समुद्र तट और नदियाँ
- धार्मिक स्थल

प्राकृतिक पर्यटन के उदाहरण

- पर्वतीय पर्यटन
- समुद्र तटीय पर्यटन
- वन्यजीव पर्यटन

सांस्कृतिक पर्यटन के उदाहरण

- धार्मिक पर्यटन
- ऐतिहासिक पर्यटन
- स्वास्थ्य पर्यटन
- ग्रामीण पर्यटन

पर्यटन का विकास

- पर्यटन का विकास परिवहन और संचार के विकास से जुड़ा है।
- पर्यटन से आर्थिक विकास और रोजगार बढ़ता है।
- भारत में पर्यटन की वृद्धि स्वतंत्रता के बाद तेजी से हुई।
- सरकार ने पर्यटन विकास के लिए कई योजनाएँ और नीतियाँ लागू कीं।

पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. भौगोलिक स्थिति : भौगोलिक परिस्थितियाँ पर्यटकों के आगमन को प्रभावित करती हैं। किसी स्थान की जलवायु, प्राकृतिक सुंदरता, पर्वत, समुद्र तट और पर्यावरण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। मौसम के अनुसार भी पर्यटकों की संख्या बदलती रहती है, जैसे गर्मी में लोग ठंडे पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा करते हैं।

2. सांस्कृतिक परंपराएँ : सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे मेले, उत्सव, नृत्य, धार्मिक अनुष्ठान और स्थानीय परंपराएँ पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में होने वाले त्योहार और सांस्कृतिक आयोजन देश-विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर खींचते हैं। इससे पर्यटन और स्थानीय संस्कृति दोनों को बढ़ावा मिलता है।

3. सुरक्षा और शांति : सुरक्षा और चौकसी पर्यटकों के आगमन को बहुत प्रभावित करती है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था अच्छी हो तो पर्यटक वहाँ जाने में अधिक रुचि दिखाते हैं। इसके विपरीत, असुरक्षा या दुर्घटनाओं की घटनाएँ पर्यटन को कम कर सकती हैं।

4. आर्थिक स्थिति : लोगों की आर्थिक स्थिति भी पर्यटन को प्रभावित करती है। जिन लोगों की आय अधिक होती है वे यात्रा और पर्यटन पर अधिक खर्च कर सकते हैं। इसलिए उच्च आय वाले लोग निम्न आय वाले लोगों की तुलना में अधिक यात्रा करते हैं।

5. स्थानीय लोगों का व्यवहार : पर्यटन के विकास के लिए अच्छी सुविधाएँ और सेवाएँ बहुत आवश्यक होती हैं। इनमें होटल, आवास, परिवहन, बैंकिंग, संचार, बुकिंग और गाइड जैसी सेवाएँ शामिल हैं। बेहतर सुविधाएँ पर्यटकों को आकर्षित करती हैं और उन्हें यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

6. सरकारी नीतियाँ : सरकार की नीतियाँ भी पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वीज़ा नीति, पर्यटन योजनाएँ, प्रचार कार्यक्रम और अवसंरचना विकास जैसे कदम उठाती है। अच्छी नीतियाँ अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने में सहायक होती हैं।

विदेशी पर्यटकों का आगमन

- भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन धीरे-धीरे बढ़ा है।
- 1951 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या कम थी।
- बाद के वर्षों में पर्यटन विकास के कारण पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई।
- पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय बढ़ती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विदेशी पर्यटक आगमन का प्रतिरूप

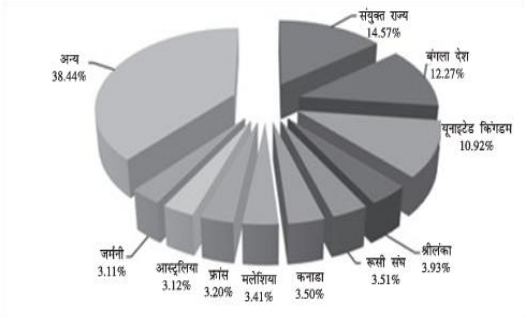

- भारत में विदेशी पर्यटक मुख्यतः अमेरिका और यूरोप से आते हैं।
- कुछ प्रमुख देश **अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया** है।
- वर्ष 2014 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ी।

घरेलू पर्यटन में वृद्धि

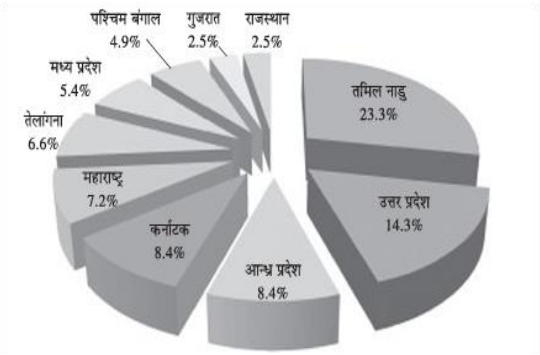

- भारत में घरेलू पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है।
- घरेलू पर्यटन का मुख्य कारण:
- धार्मिक यात्रा
- सांस्कृतिक पर्यटन
- अवकाश पर्यटन
- 1997 से 2015 तक घरेलू पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई।

पर्यटन से आय

- पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय प्राप्त होती है।
- पर्यटन उद्योग देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है।
- पर्यटन से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने में सरकार के प्रयास

भारत सरकार ने पर्यटन विकास के लिए कई कदम उठाए :

- पर्यटन मंत्रालय की स्थापना
- राष्ट्रीय पर्यटन नीति
- पर्यटन प्रचार कार्यक्रम

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- पर्यटन अवसंरचना का विकास
- अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्रचार अभियान

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. पर्यटक किसे कहते हैं?

उत्तर- पर्यटक वह व्यक्ति है जो अपने निवास स्थान से बाहर किसी स्थान पर कम से कम 24 घंटे के लिए यात्रा करता है और वहाँ अस्थायी रूप से ठहरता है। उसका उद्देश्य पर्यटन, व्यवसाय, शिक्षा या अन्य गतिविधियाँ हो सकती हैं।

प्रश्न-2. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक में अंतर लिखिए।

उत्तर- घरेलू पर्यटक अपने ही देश के भीतर यात्रा करता है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटक अपने देश से बाहर किसी अन्य देश में यात्रा करता है। दोनों प्रकार के पर्यटक कम से कम 24 घंटे किसी स्थान पर रुकते हैं।

प्रश्न-3. भारत में पर्यटन के प्रमुख आकर्षण क्या हैं?

उत्तर- भारत में पर्यटन के प्रमुख आकर्षण प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्मारक, धार्मिक स्थल, सांस्कृतिक विरासत, वन्यजीव, पर्वत, समुद्र तट और राष्ट्रीय उद्यान हैं। ये आकर्षण देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

प्रश्न-4. पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं?

उत्तर- पर्यटन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक परंपराएँ, सुरक्षा, आर्थिक स्थिति, स्थानीय लोगों का व्यवहार और सरकारी नीतियाँ हैं।

प्रश्न-5. पर्यटन से देश को क्या लाभ होता है?

उत्तर- पर्यटन से विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसके साथ ही सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतरराष्ट्रीय संबंध भी बेहतर होते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

5

विश्व में पर्यटन का विकास और स्वरूप

परिचय

भारत में यात्रा और पर्यटन का इतिहास बहुत पुराना है। पर्यटन उद्योग देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और विविध पर्यटन स्थल देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

विश्व में पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक

- पर्यटकों की बढ़ती आय
- अधिक अवकाश समय
- यात्रा खर्च
- तकनीकी विकास
- संचार और सूचना माध्यम
- विकसित देशों में जीवन स्तर में वृद्धि
- परिवहन के साधनों का विकास

विश्व के विभिन्न भागों में पर्यटकों के विभिन्न आकर्षण

सांस्कृतिक आकर्षण

- सांस्कृतिक विरासत, संग्रहालय, स्मारक और धार्मिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
- विभिन्न देशों की परंपराएँ और संस्कृति पर्यटन के प्रमुख आकर्षण हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्राकृतिक आकर्षण

- पर्वत, समुद्र तट, झीलें और वन जैसे प्राकृतिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
- प्राकृतिक वातावरण और सुंदर दृश्य पर्यटन के महत्वपूर्ण आकर्षण हैं।

आयोजनों के कारण आकर्षण

- विभिन्न त्योहार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल आयोजन पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
- अंतरराष्ट्रीय आयोजन पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।

मनोरंजन के आकर्षण

- मनोरंजन स्थल और अवकाश गतिविधियाँ पर्यटन के प्रमुख आकर्षण हैं।
- पर्यटक मनोरंजन और विश्राम के लिए इन स्थानों का चयन करते हैं।

अन्य आकर्षण

- पर्यटन विकास में मनोरंजन पार्क, संग्रहालय और प्रदर्शनी स्थल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यात्रा और पर्यटन का स्थानिक वितरण

- पर्यटन का वितरण विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में असमान है।
- विकसित देशों में पर्यटन गतिविधियाँ अधिक होती हैं।
- पर्यटन मुख्यतः यूरोप, अमेरिका और एशिया में अधिक केंद्रित है।

विश्व के दस शीर्ष पर्यटक स्थल

विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थल **फ्रांस**, **संयुक्त राज्य अमेरिका**, **स्पेन**, **इटली**, **यूनाइटेड किंगडम**, **चीन**, **मेक्सिको**, **जर्मनी**, **थाईलैंड**, **टर्की** है।

विश्व में पर्यटन की वृद्धि

- 1950 के बाद विश्व में पर्यटन तेजी से बढ़ा।
- वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने पर्यटन को बढ़ावा दिया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- परिवहन सुविधाओं में सुधार से पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि हुई।

विश्व में पर्यटकों का आगमन

- अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।
- विभिन्न देशों में पर्यटन का स्तर भिन्न-भिन्न है।
- पर्यटन से वैश्विक अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है।

पर्यटन आगमन और प्राप्तियाँ

- पर्यटन से देशों को विदेशी मुद्रा आय प्राप्त होती है।
- पर्यटन उद्योग से रोजगार और आर्थिक विकास होता है।
- अंतरराष्ट्रीय पर्यटन से देशों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

विश्व पर्यटन की संभावनाएँ

- भविष्य में पर्यटन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।
- तकनीकी विकास और बेहतर परिवहन पर्यटन को बढ़ावा देंगे।
- कई नए पर्यटन स्थल विकसित किए जा रहे हैं।

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. विश्व पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं?

उत्तर- विश्व पर्यटन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक पर्यटकों की आय, अधिक अवकाश समय, यात्रा खर्च, तकनीकी विकास, संचार माध्यमों का विस्तार और परिवहन सुविधाओं का विकास हैं। ये सभी कारक पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रश्न-2. प्राकृतिक आकर्षण क्या हैं?

उत्तर- प्राकृतिक आकर्षण वे प्राकृतिक स्थल हैं जो अपनी सुंदरता के कारण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें पर्वत, झीलें, समुद्र तट, वन और प्राकृतिक दृश्य शामिल होते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न-3. सांस्कृतिक आकर्षण क्या हैं?

उत्तर- सांस्कृतिक आकर्षण किसी देश की परंपराओं, इतिहास, स्मारकों और धार्मिक स्थलों से संबंधित होते हैं। ये किसी क्षेत्र की संस्कृति और विरासत को दर्शाते हैं और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

प्रश्न-4. विश्व में पर्यटन की वृद्धि के कारण क्या हैं?

उत्तर- परिवहन और संचार के विकास, तकनीकी प्रगति, लोगों की बढ़ती आय और अधिक अवकाश समय के कारण विश्व में पर्यटन की वृद्धि हुई है।

प्रश्न-5. पर्यटन से देशों को क्या लाभ होता है?

उत्तर- पर्यटन से देशों को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ ही सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी बढ़ता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/